



भारत का राजपत्र The Gazette of India

27/3/86

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

क्र. 495]
No. 495]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 14, 1985/कार्तिक 23, 1907
NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 14, 1985/KARTIKA 23, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली 11 नवम्बर, 1985

अधिसूचना

सं 232/85-केन्द्रीय उत्पादशुल्क

मा. का. नि. 841(अ) - केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पादशुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 184/85-केन्द्रीय उत्पादशुल्क तारीख 9 अगस्त, 1985 को अधिकांश करने हुए, केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम, 1914 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद में 16क की उपमद (2) के अन्तर्गत आने वाले ट्रेड रबड़ और केमल बैक को, जिसकी निकासी किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों में, या किसी एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से किसी कारखाने में, देशी उपभोग के लिए, किसी भी वित्तीय वर्ष में 1 अप्रैल को या उसके पश्चात् की जाए, —

(क) ट्रेड रबड़ और केमल बैक की माड़े गांठ लाख में अधिकतम मूल्य की प्रथम निकासियों की दशा में, उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट दर पर उन पर उद्घरण्य उत्पादशुल्क के उक्त भाग में छूट देनी है, जो मूल्यानुसार आग्रह प्रतिशत की दर पर संगणित रकम में अधिक हो; और

(ख) उक्त खंड (क) में विनिर्दिष्ट मूल्य की उक्त निकासियों के ठीक पश्चात् की गई निकासियों की दशा में (जो ट्रेड रबड़ और केमल बैक की माड़े गांठ लाख रूप में अधिकतम मूल्य की निकासी है), उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट दर पर उन पर उद्घरण्य उत्पादशुल्क के उक्त भाग में छूट देनी है जितना मूल्यानुसार आग्रह प्रतिशत की दर पर संगणित रकम से अधिक हो।

परन्तु इस अधिसूचना में अन्तर्लिखित छूट ऐसे विनिर्माता पर नहीं लागू होगी—

- यदि यह महायुक्त उत्पादशुल्क कलक्टर का यह घोषणा प्रस्तुत करता है कि वित्तीय वर्ष के दौरान एक या अधिक कारखानों में देशी उपभोग के लिए उसके द्वारा या उसकी ओर से उक्त ट्रेड रबड़ और केमल बैक की गई निकासियों का सकल मूल्य पच्चीस लाख रुपये में अधिक होने का संभावना नहीं है, और
- यदि वित्तीय वर्ष के दौरान किसी एक या अधिक कारखानों से देशी उपभोग के लिए उसके द्वारा या उसकी ओर से उक्त ट्रेड रबड़ और केमल बैक की गई निकासियों का सकल मूल्य पच्चीस लाख रुपये में अधिक नहीं है

परन्तु यह और कि जहां उक्त ट्रेड रबड़ और केमल बैक का किसी कारखाने में किसी वित्तीय वर्ष में देशी उपभोग के लिए निकासी की गई है वहां इस अधिसूचना में अन्तर्लिखित छूट लागू नहीं होगी यदि वित्तीय

वर्ष के दौरान, देशी उपभोग के लिए एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से ऐसे कारखानों में निकालियों का सकल मूल्य पच्चीस लाख रुपये से अधिक है।

2 इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट कोई बात उस दशा में लागू नहीं होगी जब देशी उपभोग के लिए उक्त ट्रेड रबड़ और केमल बैंक की निकालियों का सकल मूल्य,—

(a) किसी एक या अधिक कारखानों में किसी विनिर्माता द्वारा या उनकी ओर से, या

(ख) किसी एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उसकी या उनके ओर से किसी कारखाने में,

पूर्ववर्ती विस्तृत वर्ष के दौरान पच्चीस लाख रुपये से अधिक है।

स्पष्टीकरण 1.—इस अधिसूचना के अधीन की गई निकालियों के सकल मूल्य की संगणना करने के प्रयोजन के लिए उस ट्रेड रबड़ और केमल बैंक की निकालियों को, जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई, और उस समय प्रवृत्त, किसी अन्य अधिसूचना द्वारा उन पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त है (जो वह अधिसूचना नहीं है जिसमें उस पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण उत्पादशुल्क से छूट वित्तीय वर्ष में की गई निकालियों के मूल्य या मात्रा के आधार पर दी गई है), हिसाब में नहीं लिया जाएगा।

स्पष्टीकरण 2.—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, "मूल्य" वह से वह मूल्य अभिप्रेत है जिसका अवधारण केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नभक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 4 के उपबंधों के अनुसार किया जाता है।

[फा. स. 57/9/85—सी एक्स-2]

चन्द्र प्रकाश श्रोवास्तवा, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 14th November, 1985

NOTIFICATION

NO. 232/85-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 841 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No.184/85-Central Excises, dated the 9th August, 1985, the Central Government hereby exempts tread rubber and camel back, falling under sub-item (2) of Item No. 16A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), cleared for home consumption on or after the 1st day of April in any financial year, by or on behalf of a manufacturer from one or more factories, or from any factory by or on behalf of one or more manufactures, :—

(a) in the case of first clearances of tread rubber and camel back upto an aggregate value not exceeding rupees seven and a half lakhs, from so much of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the said Act at the rate specified in the said First Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate of twelve per cent ad-valorem; and

(b) in the case of clearances (being clearances of tread rubber and camel back of an aggregate value not exceeding rupees seven and a half lakhs) immediately following the said clearances of the value specified in clause (a), from so much of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the said Act at the rate specified in the said First Schedule, as is in excess of the amount calculated at the rate of eighteen per cent ad-valorem :

Provided that the exemption contained in this notification shall be applicable to a manufacturer only :—

(i) if he files a declaration with the Assistant Collector of Central Excise that the aggregate value of clearances of the said tread rubber and camel back by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories, during the financial year is not likely to exceed rupees twenty-five lakhs; and

(ii) if the aggregate value of clearances of the said tread rubber and camel back by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories, during the financial year does not exceed rupees twenty-five lakhs :

Provided further that where the said tread rubber and camel back have been cleared from any factory, for home consumption in any financial year, the exemption contained in this notification shall not be applicable if the aggregate value of clearances from such factory by or on behalf of one or more manufacturers, for home consumption, during the financial year, exceeds rupees twenty five lakhs.

2. Nothing contained in this notification shall apply if the aggregate value of clearances of the said tread rubber and camel back, for home consumption,—

(a) by or on behalf of a manufacturer, from one or more factories, or

(b) from any factory, by or on behalf of one or more manufacturers,

had exceeded rupees twenty-five lakhs during the preceding financial year.

Explanation I :—For the purposes of computing the aggregate value of clearances under this notification, the clearances of tread rubber and camel back which are exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon by any other notification (not being a notification here exemption from the whole of the duty of excise leviable thereon is granted, based upon the value or quantity of clearances made in a financial year) issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and for the time being in force, shall not be taken into account.

Explanation II :—For the purpose of this notification, the expression "value" means the value as determined in accordance with the provisions of section 4 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

[F. No. 57/9/85-CX-2]

CHANDRA P. SRIVASTAVA, Under Secy